FELICITATIONS TO DEPUTY CHAIRMAN

विपक्ष के नेता (श्री जसवन्त सिंह) : सदर साहब, यह अक्सर होता है, चाहे इस हाउस में हो या दूसरे हाउस में हो, जब भी स्पीकर, डिप्टी स्पीकर या डिप्टी चेयरमैंन के इलेक्शन होते हैं, अमूमन यह आम सहमति से ही हो जाते हैं । यह बड़ी खुशी की बात है कि श्री रहमान साहब, जो पिछले कुछ वर्षो से हमारे डिप्टी चेयरमैंन रहे हैं एक बार फिर आज सबकी राय से हमो डिप्टी चेयरमैंन बने ।

रहमान साहब, जाती तौर पर हम प्रतितक्ष वालों और जिन सबने प्रस्ताव भी किया और सैकिंड किया, सबकी तरफ से खैर मकदम, आपको बधाई ।

रहमान साहब, जहां चेयरमैंन साहब विराजे हैं , यह जो कुर्सी हैं, यह बड़ी टेढ़ी कुर्सी हैं ।

एक माननीय सदस्य : कुर्सी तो सीधी है ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : यह जानते हैं।

श्री जसवन्त सिंह : यह बड़ी टेढ़ी कुर्सी है, पर अमूमन आप इस कुर्सी पर सीधे बैठते हैं और इस सीधे बैठने में ही फायदा है । हमारा भी फायदा है और इस सदन का भी फायदा है । हम तहे दिल से चाहेंगे कि आप पूरे तौर पर कामयाब हों क्योंकि आपकी कामयाबी में ही हमारी कामयाबी है। आपकी कामयाबी में एक बहुत बड़ा गुण यह है कि फिर हाउस में बुलडोजर नहीं चलते । किसी वक्त, मालिक न करें, अगर हम कामयाब नहीं हो सके, तो फिर वह बुलडोजर वाला सिलसिला शुरू हो जाता है। मुझे पूरा भरोसा है कि आपके कुर्सी पर बैठने के साथ ऐसा नहीं होगा।

चेयरमैंन साहब तो हमारे हाउस के करतार है और वह जब यहां नहीं रहते हैं तब आप हमारे हाउस के करतार होते हैं। मैं जब यहां पर आ रहा था, तब सोच रहा था कि अक्सर इन मौकों पर लिखी-पढ़ी और घिसी-पिटी सी बात कही जाती है, उससे हटकर हम आपसे कुछ अर्ज करें । मध्य कालीन युग में हमारे एक बहुत विख्यात कवि हुए हैं – "सेनापाति" , ाहे सकता है कि कम लोगों ने उनका नाम सुना हो, उनका एक पद मुझे अनायास याद आया,जो करतार शब्द से जुडा हुआ है –

"आपने करम करि हौं ही तरौंगे तो,
हौं ही करतार करतार तुम काहें के"

मैं एक बार फिर इसे दोहरा देता हूं –

"आपने करम करि हौं ही तरौंगे तो,
हौं ही करतार करतार तुम काहे के"

आप अपने किए पर ही अगर चलांएगे तो फिर करतार काहे का । हमको, सबको साथ लेकर चलिए, एक तो इस हाउस का और सब का सिलसिला बहुत अच्छा चलेगा । खान साहब, आपको हमारी सब की ओर से बहुत-बहुत बधाई, मालिक आपको खूब तरक्की दे, आपकी तरक्की में हम सब का फायदा है । बहुत-बहुत धन्यवाद ।

THE LEADER OF THE HOUSE (DR. MANMOHAN SINGH): Mr. Chairman, Sir, I am delighted to felicitate Shri K. Rahman Khan on his re-election as the Deputy Chairman of this august House. Sir, I think it is a measure of our collective regard for him that he has been elected to this august office unopposed. Shri Rahman Khan has earned our goodwill and admiration for the fair and wise manner in which he has conducted the proceedings of this august House for the last nearly two years. Sir, the Rajya Sabha has been called the House of Elders. The authors of our Constitution who were very farsighted men and women of great wisdom and patriotism wanted this House to guide the nation and to offer a counterpoise to the Lok Sabha. Of course, these days, we, sometimes, witness some angry and heated debates. But, at all such moments Sir, we have been greatly impressed by the patience and understanding that both you and Shri Rahman Khan have shown. Shri Rahman Khan is a true leader of the people. He stands tall as one of our most respected educationists. I greatly value and admire his contribution to the cause of education, especially the education of our minorities. Shri Rahman Khan is a man of scholarship and learning and this has contributed to the quality of debates in our House,

Mr. Chairman, Sir, I wish Shri Rahman Khan a productive and fruitful term in this high office. I am sure you are also pleased that he has returned to assist you in conducting the proceedings of the House. I wish him well, Sir, and assure him and you of the fullest and most sincere cooperation on the part of my party, my colleagues on the Treasury Benches and my own self. Thank you.

SHRI SITARAM YECHURY (West Bengal): Mr. Chairman, Sir, I rise to felicitate Shri Rahman Khan in whom we have a great deal of faith. Without any prejudice, without any other factor that can come into his bearing, he will be a very wise counsel and will give a wise judgement sitting in the Chair. We wish him all success in the future to help us and this House in taking very important and significant decisions, and to play the role that he is destined to play, which the Prime Minister has just mentioned. सर, सिर्फ यही कहना चाहता हूं कि टेढ़ी कुर्सी के ऊपर सीधा बैठना ही नहीं, कुर्सी को सीधा करने की भी कोशिश की जाए। कुर्सी जब तक सीधी रहेगी तभी मैं जसवन्त सिंह जा को भी यही आग्रह करना चाहूंगा कि आप और हम सब मिलकर इस कुर्सी को सीधा करने की कोशिश करें, अगर आप समझते हैं कि टेढी है। ऐसा न हो कि सिर्फ प्रिसाइडिंग आफिसर से यह आग्रह किया कि वे सीधे बैठें, कुर्सी भी सीधी हो । लेकिन हमारी हार्दिक बधाई है आपको और हम चाहते हैं कि यह जिम्मेदारी आप पूरे तरीके से निभाएं । शुक्रिया।

श्री जनेश्वर मिश्र (उत्तर प्रदेश) : धन्यवाद महोदय। मैं के0 रहमान खान साहब को इस सदन का उपसभापति चुने जाने पर मुबारकबाद दे रहा हूं । आम तौर से कांग्रेस पार्टी के निर्णयों से हमारी सहमति नहीं रहती क्योंकि हम दूसरे स्कूल के हैं। पिछली बार, जब रहमान खान साहब के नाम को इस पद के लिए कांग्रेस पार्टी ने सदन में रखा, तब हम इनको नहीं जानते थे । लेकिन पिछले दिनों इस कुर्सी पर बैठकर इन्होंने जो आचरण दिखाया है, वह कमाल का रहा है। सभापति महोदय, इस कुर्सी पर जो कोई बैठता है , सदन में कभी ऊट-पटांग बाते होती हैं, शांत करने के लिए ही सही, कभी-कभी अपने चेहरे पर गुस्सा जरूर लाता है, कभी-कभी आपके चेहरे से भी गुस्सा आता है, नजमा जी तो बहुत गुस्सा लाती थी, लेकिन रहमान साहब को हमने देखा कि कठिन से कठिन परिस्थिति में, इनके चेहरे की मुस्कान कभी नहीं गई । मै उसका कायल हूं । यह सच है कि संसदीय लोकतंत्र में विट्स का अपना एक महत्व पहले नेता था और चेयर भी विट्स में मजा लेता था, लेकिन वह विट्स धीरे-धीरे कड़वाइट और कलह में बदल गया है, रहमान खान साहब की यह खूबी जरूर थी ।

दूसरी बात यह है कि संसदीय लोकतंत्र नए तरीके से जिन विकृतियों का रोगी हो रहा है, हम मेम्बर्स पर पता नहीं क्या-क्या, हम चाहेंगे कि आप और रहमान साहब मिलकर के इतना बढ़िया सदन चलायें कि हम लोग किसी बीमारी में फंसने न पायें । यह हम आपसे आग्रह करेंगे । कई रोग लगे हैं और उनकी तरफ आज इशारा करना ठीक नहीं है। लेकिन हम चाहेंगे कि यह सदन कम से कम अपनी गरिमा को कायम रखे और मैं इन्हीं शब्दों के साथ फिर एक बार रहमान खान साहब को मुबारकबाद देता हूं । वह हमेशा कुर्सी पर बैठकर हंसते रहें, कभी गुस्सा न करें, यह मैं जरूर चाहूंगा ।

SHRI P.G. NARAYANAN (Tamil Nadu): Mr. Chairman, Sir, on behalf of my party, All India Anna Dravida Munnetra Kazagham (AIADMK), and on my own behalf, I extend warm felicitations to Shri K. Rahman Khan on his unanimous election to the Office of the Deputy Chairman.

Sir, the manner, in which it has been done unanimously reflects the maturity of Indian democracy. Sir, it is not a new assignment for him. He has already served as the Deputy Chairman.

It is the duty of the Presiding Officer to ensure that the Opposition has its say. Sir, during his earlier tenure, he has given fair and reasonable opportunities to the Members of this House, irrespective of political consideration.

Sir, my only request is that problems and interests of the regional parties and smaller groups have to be looked after by the Presiding Officer.

Sir, everybody appreciates his nature and temperament; and, so, he deserves this position. Sir, I hope his vast experience and good nature will definitely help him in maintaining the dignity and decorum of this House, even during heated discussions and conflicts in this House.

Sir, I congratulate Shri K. Rahman Khan on his assuming this responsibility. I wish to assure him our fullest cooperation at all times.

प्रो0 राम देव भंडारी (बिहार) : माननीय सभापति जी, मैं अपने दल की ओर से, दल के नेता माननीय लालू प्रसाद जी की ओर से, दूसरी बार सर्वसम्मति से श्री के. रहमान खान के उपसभापति चुने जाने पर, जो कि हार्दिक प्रसन्नता की बात है, बधाई और शुभकामनाएं देता इनकी कार्यकुशलता और सदन की कार्यवाही सुचारू और सुव्यवस्थित रूप से चलाने का पक्का प्रमाण है ।

महोदय, अभी भी जनेश्वर मिश्र जी इनके बारे में कह रहे थे । हम लोगों ने देखा है कि कठिन परिस्थितियों में भी हंसते-मुस्कारते इन्होंने सदन की कार्यवाही को चलाया है। बिना किसी भेदभाव और पक्षपात के उन्होंने सदन की कार्यवाही चलाई है। मेरे दल को पूरा विश्वास है कि इनके उपसभापतित्व में और आपके सभापतित्व में सदन की गरिमा, सम्मान और मर्यादा की रक्षा होती रहेगी। महोदय, मेरा दल हमेशा सदन की मर्यादा और सम्मान के साथ रहा है। पुनः एक बार अपने दल की ओर से मैं पूरा सहयोग देने का आश्वासन देता हूं और के. रहमान खान साहब के दीर्घ जीवन की कामना करता हूं।

कुमारी मायावती (उत्तर प्रदेश) : माननीय सभापति महोदय, श्री के. रहमान खान को आज राज्य सभा का सर्वसम्मति से उपसभापित चुना गया है , इसके लिए मैं अपने दल की ओर से इनको हार्दिक बधाई देती हूं । मान्यवर, इससे पहले भी श्री के. रहमान खान इस पद पर रह चुके हैं, जिन्होंने इस पद पर बैठकर दलगत राजनीति से ऊपर उठकर और बहुत ही शांतिमय ढंग से एक ऐसा परिचय देते हुए – परिचय कैसा कि उनका आचरण और व्यवहार बहुत अच्छा रहा, एक अच्छे व्यवहार और आचरण का परिचय देते हुए उन्होंने इस पद की गरिमा को बनाते हुए अपनी दुबारा से आसीन हुए हैं , सर्वसम्मति से आसीन हुए हैं तो पूर्व की भांति अपनी जिम्मेदारी को इस बार भी आप निभाएंगे । इसके साथ-साथ मैं अपने दल की ओर से आपको हर प्रकार का सहयोग देने का आश्वासन देती हूं । इन्हीं लफ्जों के साथ मैं इनको पुनः हार्दिक बधाई देते हुए अपनी बात समाप्त करती हूं । धन्यवाद ।

SHRI RAVULA CHANDRA SEKAR REDDY (Andhra Pradesh): Sir, I congratulate Shri K. Rahman Khan on his re-election as Deputy Chairman of this august House.

Sir, I would request you and Shri Rahman Khan to look at the regional parties also. He hails from southern India. We, from southern India, are not very well versed in Hindi and so, we are often forced to speak either in English or our own regional language. There are a few problems as far as southern India is concerned and whenever we Members from the regional parties represent the grievances of the people, we should be given reasonable opportunities.

While extending our fullest cooperation on behalf of my party colleagues and on my own behalf, I once again congratulate him on his re-election as the Deputy Chairman of this august House.

श्री तारिक अनवर (महाराष्ट्र) : महोदय, आज दुबारा के रहमान साहब सर्वसम्मति से उपसभापति चुने गए हैं, उसके लिए मैं उनको अपनी ओर से तथा अपनी पार्टी की ओर से बधाई देता हूं और आशा क्या, मुझे विश्वास है कि जिस तरह से पिछले दो साल इन्होंने पूरे सदन को कार्यवाही को चलाने का काम किया है और सभी दलों को , चाहे वे बड़े दल हो या क्षेत्रीय दल हों, सबको उन्होंने विश्वास में लेने की कोशिश की है, सबको मौका देने का काम उन्होंने किया है। मैं समझता हूं कि आगे भी इसी तरह से वे पूरे सदन को विश्वास में लेकर इस सदन की गरिमा को बढ़ाने का काम करेंगे। धन्यवाद।

श्री शरद यादव (बिहार) : सभापति जी, मैं उपसभापति श्री के. रहमान साहब का सरल और सहज भाव से जो दुबारा चयन हुआ है, उसके लिए उन्हें बधाई देता हूं। मै जानता हूं कि इस देश की ससंद के जो मैंबर्स हैं, उनकी साख पर कुछ, तो यहां की गलतियां हैं, लेकिन देश में एक ऐसा विशेष तबका है, जो लगातार लोकतंत्र की इस सबसे बड़ी संस्था की साखा को हर तरह से नीचे करने का काम कर रहा है। मैंने आपसे मिलकर भी निवेदन किया था। इस मौके पर मैं यही कहना चाहता हूं कि आप और उनके रहते जो हिन्दुस्तान में सच है, जैसे दूध का दूध पानी का पानी होना चाहिए, उसी तरह मैं यह मानता हूं कि यह जो सदन है या लोक सभा चयन हुआ, यह इसका प्रमाण है। इसमें एक से एक ऐतिहासिक बातें होती है, तो इस सदन के जरिए,आने वाले समय में उनके चयन के अवसर पर, जो बिल्कुल सहज और सरल भाव से हुआ है, इस देश के बहुसंख्यक समाज के जो निर्धन, लाचार और बेबस लोग हैं, उनकी आवाज यह सदन रहा है लेकिन यह आवाज कुछ धीमी हो रही है। फिर रहमान साहब का चयन हुआ है और आपके रहते, इस सदन की जो गरिमा है, वह और ऊंचाई पाएगी। इसी के साथ मैं रहमान साहब के चयन पर उनको बधाई देता हूं, आपको और पूरे सदन को भी बधाई देता हूं।

श्री मनोहर गजानन जोशी (महाराष्ट्र) : माननीय सभापति जी, मुझे बहुत खुशी है इस बात की कि रहमान खान साहब का चुनाव निर्विरोध हुआ है। मैं उन्हें बधाई देता हूं और शुभकामनाएं भी देता हूं।

सभापति जी, निर्विरोध चुनकर आना हर चुनाव में बहुत अच्छा होता है। निर्विरोध चुनकर आने के बाद जिम्मेदारी भी बढ़ती है, लेकिन मुझे इस बात की सचमुच खुशी है कि इस समय जो चुनाव हुआ, वह निर्विरोध हुआ। मुझे पूरा विश्वास है कि अपने काम में माननीय रहमान जी सफल होंगे, क्योंकि आपको इस काम का अनुभव है। कर्नाटक विधान परिषद् के आप सभापति थे और इस सदन में भी आपने उपसभापति के नाते काम किया है। मैं दो साल लोक सभा का अध्यक्ष था, इसलिए इस काम का मुझे अनुभव है।

श्री सभापति : कैसा?

`**श्री मनोहर गजानन जोशी :** मेरा अनुभव बहुत अच्छा है । मैं जानता हूं कि सदन में जितना काम करते है, उतन ही काम सदन के बाहर चैम्बर में हो सकता है । आप यदि सभी सदस्यों से मित्रता रखें, तो काम करने में बिलकुल अड़चन नहीं होगी और आप सफल हो जाएंगे । मैं ऐसे अवसर पर ज्यादा भाषण तो नहीं करूंगा, लेकिन आपको दो बातें जरूर कहूंगा – पहली बात तो यह है कि आपको विपक्ष की तरफ ज्यादा ध्यान देना पड़ेगा, क्योंकि विपक्ष के लोग तो सत्ता में नहीं होते हैं और उनको बोलने का मौका इसी सदन में होता है। इसलिए उनकी तरफ ज्यादा ध्यान देना और उसमें भी, जो नए सदस्य है, उनको ज्यादा मौका देना, मैं जानता हूं ...(**व्यवधान**)...

डा0 **मुरली मनोहर जोशी** : जो दूसरे सदन में रह चुके हैं, उनको भी शामिल करना।

श्री मनोहर गजानन जोशी : उसके साथ-साथ जो पहले स्पीकर थे, उनको पहले मौका देना । एक बात तो मैं हर बता कहता हूं कि जीवन का हर क्षेत्र क्रिकेट जैसा होता है । आपको जो भी काम मिले, वह काम अच्छे तरीके से करना पड़ता है। क्रिकेट में सबसे आसान काम अपांयर का होता है, चेयरमैन हों या डिप्टी चेयरमैन हो, वे सदन में क्रिकेट के अंपायर की जरह होते हैं। आपका निर्णय अंतिम होता है और इसीलिए यह निर्णय पूरी न्याय-बुद्धि से होना चाहिए । अतं में एक ही बात कहूंगा कि हम सब लोग इस सदन में आते हैं, काम करते हैं, लेकिन काम करते समय हमें जनता को नहीं भूलना चाहिए, भारत देश को नहीं भूलना चाहिए और अपने देश को याद रखकर ही किसी भी पद पर हो, हमें काम करना चाहिए । मुझे पूरा विश्वास है कि यह काम रहमान खान जी जरूर करेंगे और उनको सफलता मिलेगी और सफलता मिलने के बाद यह भी ध्यान में रखिए कि सफलता आपके कारण नहीं मिली, किंतु यह तो मैंने आपको शुभकामना दी, इसलिए आपको सफलता मिली, धन्यवाद ।

SHRI B.J. PANDA (Orissa): Sir, it gives me great pleasure to welcome Shri K. Rahman Khan to his second term as the Deputy Chairman of this House. He has upheld that long tradition in this House of a very fair and balanced approach in the Chair carrying along the whole House, all the Membership with him. But, that should have come as no surprise, because even as a Member before he took on the responsibility as Deputy Chairman for the first time, he exhibited the same kind of temperament, fairness, balance and has set an example for all Members. I wish him all the very best in this new term of his as Deputy Chairman; and I am sure he will carry forward the same spirit that he has demonstrated in the past.

MR. CHAIRMAN: I join the House in congratulating Shri K. Rahman Khan on his unanimous election to the Office of Deputy Chairman of Rajya Sabha for the second term. Shri Khan's unanimous election has amply demonstrated that he has endeared himself to all sections of the House.

Shri Khan was last elected as the Deputy Chairman on the 22nd July, 2004, and we have now been quite used to seeing him in the

Chair. He has conducted the proceedings of the House with great dignity and charm. During moments of heat in the House, I have always seen him cool and calm, tackling difficult situations with great dexterity and tact. With the goodwill that he has earned, I have no doubt in my mind, that Shri Khan would always carry all sections of the House with him.

On behalf of the House and on my own behalf, I congratulate Shri Rahman Khan on entering upon the Office of the Deputy Chairman of Rajya Sabha and wish him all success.

श्री के0 रहमान खान : रेस्पैक्टेड चेयरमैंन सर, जो प्यार और मौहब्बत इस सदन ने, आपने, नेता सदन ने और नेता विरोधी दल ने मुझे दी है, और जो मेरे बारे में कहा है, मेरे पास शब्द नहीं है कि मैं किसी तरह से आप सबका शुक्रिया अदा करूं। इसलिए मैंने सोचा कि मैं चन्द अल्फाज लिखकर अपनी बात कहूं। सर, मैं इतना इमोशनल हो गया हूं कि मेरे पास कहने के लिए अल्फाज नहीं हैं।

Sir, I am immensely grateful to the House for electing me as the Deputy Chairman of the Rajya Sabha for the second time. At the outset, I am beholden to my leader, Congress President, Shrimati Sonia Gandhiji, and the hon. Prime Minister Dr. Manmohan Singhji, for making it possible for me to come back to this august House whose Members have become so near and dear to me. I am again grateful to the hon. Congress President, Shrimati Sonia Gandhi, the hon. Prime Minister, the Leader of the House, the Leader of the Opposition, and leaders of all political parties who have kindly reposed their confidence in me.

I am particularly grateful to you, Sir, who is a father figure to all of us, and I have, particularly, been blessed with your warm affection, wisdom and guidance which helped me in undertaking this great responsibility of my previous stint and heartily inspiring me this time also. It is with a sense of deep humility and great respect to the hon. Members that I undertake this responsibility at a time when the** proceedings of this House are under greater focus and scanner of public and the media. Many kind words have been expressed about me by the respected Prime Minister, the Leader of the Opposition and you, Sir, and the leaders of all the political parties, which I may not deserve. However, I take them as an inspiration to live up to your expectations. Sir, I am acutely aware that as a presiding officer, I have to act as an umpire, to be fair and firm, undeterred by emotions or commotions without fear or favour.

At the same time, I have to do my sacred duty to the Constitution and the rules of the Parliament Which we have laid/ ourselves. I will strive to

do my job with a human touch by understanding the concerns, worries, emotions and attitude of every Member without hurting anyone and without allowing the smile to vanish from my face. In my previous stint, I have learnt a lot from the hon. Members and I have developed intimate understanding and rapprochement from all of you.

I hope and pray that these will prove to be an asset to help me to fulfil my responsibility to your expectations and raise the performance and dignity of the House to win the appreciation of the people, who are our masters.

I shall strive to ensure, under the guidance of hon. Chairman, that the House proceedings are conducted with efficiency and dignity, its rules are strictly followed and every Member gets the opportunity to express and to debate, within the time constraint. In this difficult task, I seek your complete cooperation, trust, confidence and understanding, and, above all, sympathy and love, if I may fail to please one and all. Let us set high standards of thinking and discussion, patriotism and commitment to help our great nation march ahead to usher in real freedom of economic development, education, prosperity and happiness for all.

Once again, I bow in humility and seek blessings of Almighty God to make my task and the mission of this August House succeed in flying colours. Thank you.

PAPERS LAID ON THE TABLE

Notification of the Ministry of Law and Justice

THE MINISTER OF LAW AND JUSTICE (SHRI HANSRAJ BHARDWAJ) : Sir, I lay on the Table, under sub-section (3) of section 24 of the Supreme Court Judges (Salaries and Conditions of Service) Act, 1958, a copy (in English and Hindi) of the Ministry of Law and Justice (Department of Justice), Notification G.S.R. 162 (E) dated the 16th March, 2006, publishing the Supreme Court Judges (Amendment) Rules, 2006. [Placed in Library. *See* No. LT. 4170/06]

I. Notifications of Ministry of Chemicals and Fertilizers

II. Report and Account (2004-2005) of the Institute of Pesticide Formulation Technology, Gurgaon and related papers